लन्दन में आग

मार्गरेट नैश

लन्दन में आग

मार्गरेट नैश

दिन भर काम करने के बाद टोबी सो रहा था.

वह अपने मालिक की दूकान के ऊपर रहता था.

“टोबी! उठो!” उसका मालिक चिल्लाया.

“मूर्ख लड़के! मिस्टर पेपिज़ की नोट-बुक तुमने यहीं छोड़ दी है. इसे अभी ले जाओ, यह उनकी डायरी के लिए है.”

“ओह नहीं!” टोबी ने घबरा कर कहा.

वह कूद कर बिस्तर से बाहर आया, उसने नोट-बुक पकड़ी और भाग कर गली में आ गया.

रात गर्म थी, लेकिन तेज़ हवा
भी चल रही थी. गली में कई लोग थे.
कुछ भाग रहे थे.

टोबी ने ऊपर देखा.
धुएँ के बादल थे और आकाश
लाल था. क्या हुआ था?

टोबी ने भाग कर गली का मोड़ पार किया.

“आग! आग!” एक बूढ़ी औरत चिल्लाई.

बूढ़ी ने अभी भी अपना रात्रि-गाउन पहन रखा था.

“लन्दन जल रहा है!” एक लड़का चिल्लाया.

“और नदी नावों से भरी हुई है.”

टोबी ने आग की लपटें देखीं. वह भागता रहा.
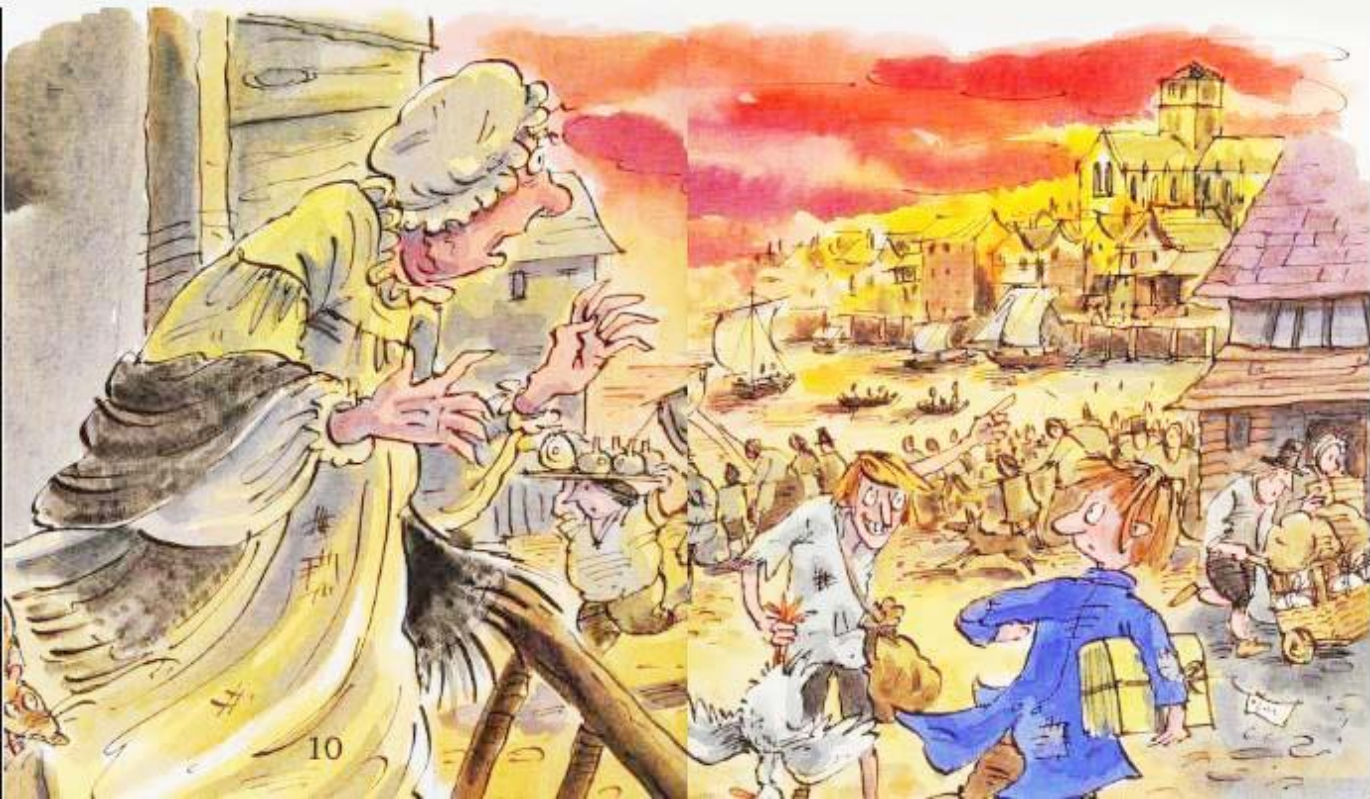
गलियाँ छकड़ों और गाड़ियों से भरी थीं

और हर तरफ धुआँ था.

टोबी भीड़ के बीच से निकलता गया.

उसे मिस्टर पेपिज़ को ढूँढना ही था.

आखिरकार उसने मिस्टर पेपिज़ का घर

ढूँढ़ ही लिया. उसने दरवाज़ा खटखटाया.

लेकिन कोई बाहर नहीं आया
“क्या कोई घर में है?” टोबी चिल्लाया.
किसी ने उत्तर न दिया. वह दीवार पर
चढ़ गया. ऊपर चढ़ते-चढ़ते वह छत पर आ गया.

फिर उसने एक भयानक दृश्य देखा:
आग की लपटें लन्दन में हर ओर
फ़ैल रही थीं.

टोबी घूमा और देखा कि मिस्टर पेपिज़
एक गड्ढे में बोतलें रख रहे थे. टोबी को
बहुत आश्चर्य हुआ, वह लड़खड़ा गया
और उसे दीवार से नीचे कूदना पड़ा.

वह गड्ढे के पास गिरा लेकिन
नोट-बुक गड्ढे में गिर गई.

"ओह नहीं!" टोबी चिल्लाया.

"हे! यह गड्ढा मेरी वाइन और पनीर के लिए है," मिस्टर पेपिज़ ने कहा. "उन्हें आग से बचाने के लिए है और मैं नहीं चाहता कि मेरी डायरी से पनीर की बदबू आये!" उन्होंने कहा.

"फियु! इस पनीर की गंध तो बहुत ही खराब है," टोबी ने कहा.

टोबी गड्ढे में कूद गया और मिस्टर पेपिज़ की नोट-बुक बाहर निकाल लाया.

“लड़के देखो, यह आग तो बहुत भयानक लगती है!” मिस्टर पेपिज़ ने कहा. “हमें इसे फैलने से रोकने में सहायता करनी होगी. मेरे साथ आओ!” वह बाहर भागे.
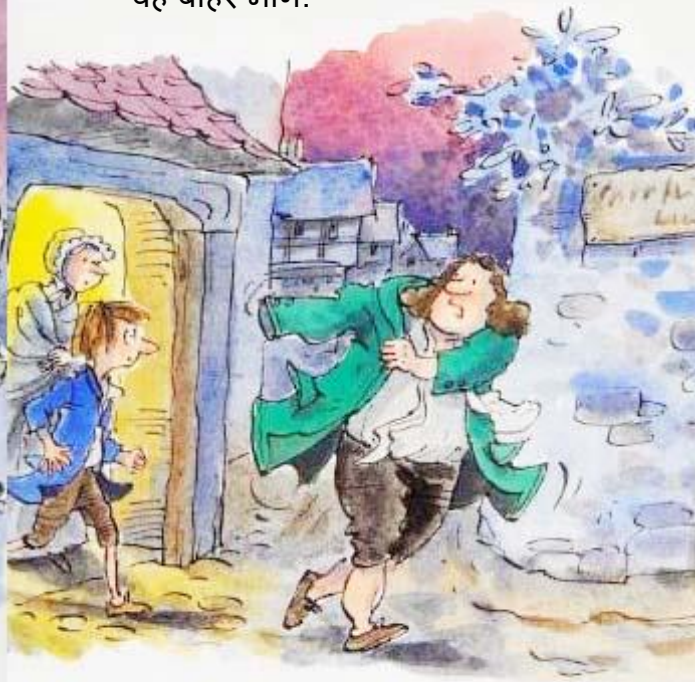
धुएँ और शोर से भरी गलियों में
अब खूब हलचल थी. एक गाय पर
बच्चे सवार थे, वह उसके पास से निकलते
हुए वह आगे गये.

मिमियाती बकरियों को धकेलते हुए वह आगे गये.

वह तब तक नहीं रुके जब तक कि वह सेंट पॉल नहीं पहुँच गये. वहाँ लोग किताबों को सुरक्षित जगह ले जा रहे थे.

दूर से आती धमाकों की आवाज़ टोबी सुन पा रहा था. आग को रोकने के लिए घरों को बारूद से गिराया जा रहा था.
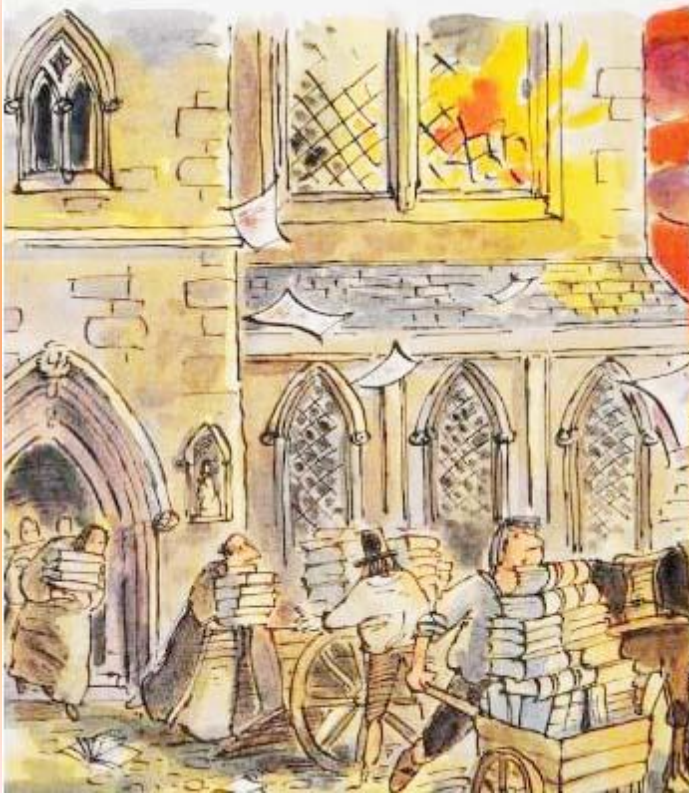
तभी कालिख से ढका एक आदमी आया

और कालिख से ढके हुए अपने घोड़े

से नीचे उतरा.

“यह अजनबी कौन है?” टोबी ने पूछा.

“क्या तुम नहीं जानते?” मिस्टर पेपिज़ ने कहा.

“यह इंग्लैंड के राजा चार्ल्स ॥ हैं!”

"यह बाल्टी लो!" राजा ने कहा.
"इस भयंकर आग को बुझाने में
मेरी सहायता करो."

राजा और मिस्टर पेपिज़ और अन्य लोगों
के साथ टोबी ने भी आग बुझाने का प्रयास
किया. वह दिन-रात तब तक काम
करते रहे जब तक कि आग बुझ नहीं गई.
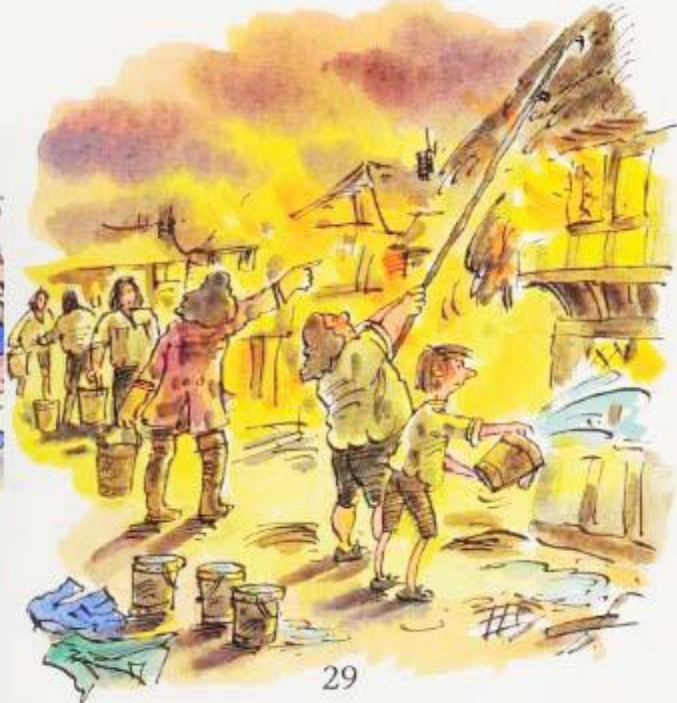
तीन दिनों के बाद टोबी दूकान पर वापस आया. उसका मालिक उसे देख कर हैरान हुआ. "ओह, भगवान् की कृपा है कि तुम लौट आये. मुझे लगा कि आग में तुम भस्म हो गए थे.

"नहीं सर. मैं तो राजा और मिस्टर पेपिज़ की सहायता कर रहा था!" टोबी ने कहा. "लेकिन अब मुझे आराम करना है."

"और नहाना भी है!" मालिक ने कहा.

समाप्त